

बकला पुं. (तद्.) वल्कल, पेड़ की त्वचा, फल का छिलका।

बकवाद पुं. (तद्.) व्यर्थ की बात, निरर्थक वार्ता, बकवास।

बकवादी वि. (तद्.) 1. बकवास करने वाला, निरर्थक बहस करने वाला 2. बकवास से संबंधित।

बकवास स्त्री. (तद्.) दे. बकवाद।

बकवृत्ति स्त्री. (तद्.) बगुले जैसा छल-कपट पूर्ण व्यवहार करने की प्रवृत्ति, आदत।

बकसना स.क्रि. (फा.) 1. प्रसन्नता से देना 2. दया करना, क्षमा करना 3. बखशना।

बकसीस स्त्री. (फा.) 1. इनाम, पारितोषिक, पुरस्कार 2. प्रसन्न होकर दिया जाने वाला दान।

बकायन स्त्री. (तद्.) नीम की जाति का ऐसा वृक्ष, जिसकी छाल, पत्ती, फल, फूल सभी औषधि के रूप में उपयोगी होते हैं तथा लकड़ी भी उपकरण बनाने के काम आती है, महानिंब।

बकाया पुं. (अर.) 1. शेष, बचा हुआ, वह धन जिसका भुगतान करना बाकी है 3. बचत वि. शेष, बाकी।

बकारी स्त्री. (तद्.) 1. मुँह से निकलने वाली वाणी 2. बकासुर को नाश करने वाले श्रीकृष्ण, भीम 3. पुरानी पद्धति से हिसाब-किताब करने में किसी धनराशि की सूचिका टेढ़ी लकीर, बकारी के नाम से जानी जाती है जैसे- 20/- बीस रुपये के आगे लगाई गई रेखा दस आने को सूचित करती है, रुपये के बाद प्रत्येक खड़ी रेखा चार आने तथा दो पड़ी रेखाएँ एक-एक आना की सूचिका है।

बकावर पुं. (फा.) गुलबकावली का पौधा, हल्दी की जाति का ऐसा पौधा जिसके फूल सफेद और सुगंधित होते हैं।

बकासुर पुं. (तद्.) बकासुर नामक दैत्य, जिसे श्रीकृष्ण ने मारा था।

बकुचना अ.क्रि. (तद्.) 1. सिमटना, सिकुड़ना 2. किसी वस्तु का घट कर कम हो जाना।

बकुचा पुं. (तद्.) 1. कपड़ों आदि सामान का गट्ठर 2. ढेर 3. गुच्छा 4. धातु या लकड़ी का बना बकसा स्त्री. गट्ठरी।

बकुची स्त्री. (तद्.) 1. घर-घर सामान बेचने वालों की छोटी गठरी 2. चर्मरोग के लिए उपयोगी एक छोटा पौधा, छोटा बुकचा, दर्जियों की एक थैली जिसमें वे सिलने का सामान सुई, धाग आदि रखते हैं मुहा. बकुची बाँधना- हाथ पैर लपेट कर गठरी जैसा बन जाना।

बकुल पुं. (तद्.) वकुल 1. मौलसिरी (वृक्ष व फूल) 2. शिव वि. टेढ़ा, वक्र।

बकेन/बकेना/बकायन स्त्री. (तद्.) वह गाय या भैंस जिसे ब्याए हुए लगभग एक साल हो गया हो तथा वह दूध दे रही हो।

बकैयाँ स्त्री. (देश.) बालक या शिशु द्वारा घुटनों के बल चलने की क्रिया, ऐसी चाल।

बकोट स्त्री. (तद्.) 1. बकोटने की क्रिया 2. बकोटने से पड़ा हुआ चिह्न 3. बकोटने के लिए एक विशेष मुद्रा में बनी हाथ की उँगलियाँ 4. बकोटने से मुट्ठी में आने वाली किसी वस्तु की मात्रा जैसे- 1. बंदर एक बकोटा मार कर उसका थैला ले गया 2. बच्चे के भाई को बकोटा मारा 4. बगुटा।

बकोटना स.क्रि. (तद्.) पंजे या नाखूनों से किसी के मुख आदि अंगों को नोंचना या अपने अंगों को नोंचना, खसोटना लाक्ष. किसी से कोई वस्तु छीनना।

बकौल अव्य. (अर.-बकौल) कथनानुसार।

बक्कम पुं. (देश.) 1. एक प्रकार का पेड़ 2. पतंग।

बक्कल पुं. (तद्.) 1. पेड़ की छाल 2. फल आदि का छिलका बक्सुए से बंद करना या कसने का कार्य पुं. (अर.) 1. बकसुआ, बकलस 2. झुकना, झुकाना।